🕉️ शिव प्रातः स्मरण स्तोत्रम् 🕉️

प्रातः स्मरामि भवभीतिहरं सुरेशं
गङ्गाधरं वृषभवाहनमम्बिकेशम्।
खट्वाङ्गशूलवरदाभयहस्तमीशं
संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम्॥ १॥

प्रातर्नमामि गिरिशं गिरिजार्धदेहं
सर्गस्थितिप्रलयकारणमादिदेवम्।
विश्वेश्वरं विजितविश्वमनोऽभिरामं
संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम्॥ २॥

प्रातर्भजामि शिवमेकमनन्तमाद्यं
वेदान्तवेद्यमनघं पुरुषं महान्तम्।
नामादिभेदरहितं षड्भावशून्यं
संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम्॥ ३॥

प्रातः समुत्थाय शिवं विचिन्त्य
श्लोकत्रयं येऽनुदिनं पठन्ति।
ते दुःखजातं परिहाय नित्यं
शिवं प्रयान्ति शिवलोकनाथम्॥ ४॥

🔱 ॐ नमः शिवाय 🔱

जो भक्त प्रातःकाल भगवान शिव का श्रद्धापूर्वक स्मरण और इस स्तोत्र का पाठ करता है, उसके मन में शांति और सकारात्मकता का संचार होता है। भगवान शिव की कृपा से जीवन के कष्ट दूर हों और सुख-समृद्धि प्राप्त हो, ऐसी मंगलकामना है।

हर हर महादेव

https://www.radheradheje.com/shiv-pratah-smaran-stotram/